

XISS: पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट में नामांकन शुरू

रांची| एक्सआईएसएस रांची में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स आवेदन कर सकते हैं। इसमें 3 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आउट छात्रों के लिए और दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्ययनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए होगा। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान

करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रकाश चंद्र दास ने कहा कि कोर्स पूरा करने के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास और अन्य गैर-सरकारी संगठन में भी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

का
र्य

अतिअल्पका

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता
2. परिमाण विपत्र की बिकी की तिथि
3. निविदा प्राप्ति की तिथि, समय एवं स्थान
4. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान
5. परिमाण विपत्र की बिकी का स्थान
6. निविदा का मद
7. कार्य की विस्तृत विवरणी निम्नवत है

| ५० | प्रखड़ | पश्चात् | ग्राम |

जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन में मौका

रांची. एक्सआइएसएस ने पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन मैनेजमेंट जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लिकेशन इन रूरल मैनेजमेंट के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गया है. <https://xiss.ac.in/GITRAINING/> पर तीन अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 30-30 विद्यार्थियों के लिए दो

एक्सआइएसएस

बैच का संचालन होगा। सहायक प्रो डॉ प्रकाश चंद्र दाश ने बताया कि छह महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्क-जीआइएस,

एरडास, इएनवीआइ, आइ-जीआइएस, क्यू-जीआइएस जैसे सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और इटीएस हार्डवेयर की ट्रेनिंग दी जायेगी। पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को जीआइएस, रिमोट सेंसिंग और प्रबंधन की अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग की विशेषता से प्रशिक्षित किया जायेगा। जिससे लाभ भविष्य में ग्रामीण विकास, मौसम पूर्वानुमान, भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली, जल प्रबंधन परियोजनाओं, शहरी नियोजन समेत अन्य क्षेत्रों में मिलेगा। कोर्स पूरा कर विद्यार्थी अपना प्लेसमेंट स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, ग्रामीण विकास, वन, राजस्व, कृषि, खनन, शहरी विकास, पेयजल, सर्वे और इंडिया प्रोजेक्ट्स सहित निजी और गैर सरकारी संस्थान में हासिल कर सकेंगे।

Press : Prabhat Khabar

एक्सआईएसएस में जियो टेक्नोलॉजी में प्रवेश शुरू

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान में पीजीसीएम जियो-स्पेशल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक विद्यार्थी और पेशेवर नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् से अनुमोदित इस एक

वर्षीय कोर्स में तीन अगस्त तक-
https://xiss.ac.in/GITRAI_NING, लिंक पर आवेदन किया जा सकता है। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे। पहला बैच सुबह 11.30 से शाम 4.30 और दूसरा बैच दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक चलेगा। नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% प्राप्तांक होना अनिवार्य है।

Press : Hindustan

The Pioneer
Thursday, 20 July 2023

HOME > STATE EDITIONS > RANCHI

HP THE BEST TECH SOLUTIONS THAT SUIT YOUR BUSINESS

Psst. You missed an item. Use code WELCOME2023 for up to 30% discount!

HP Pav... ₹72.53 -13% 6 HP Pav... ₹61.02 -13% 3 HP Pav... ₹72.53 -13% 6 HP Pav... ₹65.62 -13% 0 HP Pav... ₹77.14 -13% 3 HP Pav... ₹97.86 -13% 2

HP Pav... ₹72.53 -13% 6 HP Pav... ₹77.14 -13% 3 HP Pav... ₹72.53 -13% 6 HP Pav... ₹65.62 -13% 0 HP Pav... ₹61.02 -13% 3 HP Pav... ₹97.86 -13% 2

Enrollment begins in XIIS PGCM Geospatial

Thursday, 20 July 2023 | PNS | Ranchi



SHARE



In the era of Artificial Intelligence and Smart City projects, involvement of youth is increasing at a rapid rate and so is interest in any professional course related to it. A special course combining the prowess of technology and practices of Management is being offered by XIIS starting this year. Interested students as well as working professionals can apply for the Post Graduate Certificate in Management (PGCM) – Geospatial Technology Applications for the year 2023-24.

The course is AICTE approved and is designed to cater to the market demand. Interested candidates may apply for the course online till 3 August 2023 from <https://xiis.ac.in/GITRNING/>. The course is offered in two shifts of 30 seats each. The minimum qualification for the course is graduation with a 45% score. Students will have to pay Rs 67,000 for this course, while for working professionals the charge will be Rs 80,000.

During this course, each student will be provided with a separate computer along with study materials. In this course, ArcGIS, ERDAS, ENVI, i-GIS, Q-GIS etc. software is taught along with this, training of GPS, DGPS and ETS hardware is imparted.

Dr Prakash Chandra Dash, Assistant Professor at XIIS said: "PGCM Geospatial Technology Applications would cater to the demands for GIS professionals and managers in both government and private agencies. Earlier, a similar programme of a shorter duration of 6 months was run at XIIS which was highly successful with 85-95% placement on an average. The utility for the current one year programme would be much wider and better. Talking about the field of placement, after completing the course, one can get jobs in Smart City Project, Rural development, Forest Department, Revenue Department, Agriculture Department, Mining, Urban Development, Drinking Water Department, Survey of India Projects as well as in the Private Sector and other non-governmental organizations as well."

"Under this course, students would be taught about both concept and practical applications of GIS and Remote Sensing and Management which they can apply in the fields of Rural Development, Weather Forecasting, Land Information Management System, Watershed Management Projects, Urban Planning etc," informed Dr. Dash.

Press : Pioneer

एक्सआईएसएस में पीजीसीएम का नामांकन थर्ण



पंच संवाददाता

रांची। एक्सआईएसएस में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के लिए नामांकन शुरू 3 अगस्त तक भरें फॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी और इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है। ऐसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच लिए

इच्छुक छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आउट छात्रों के लिए उपयुक्त है, जबकि दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनरत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक उपयुक्त है। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा। जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। इस कोर्स में छात्रों को अध्ययन सामग्री के साथ कक्षा में एक अलग कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाता है।

Press : Punch

एक्सआईएसएस में 3 अगस्त तक ऑनलाइन करें आवेदन

रांची : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी व इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल कोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है। ऐसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए जेवियर समाज सेवा संस्थान एक्सआईएसएस रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच के लिए इच्छुक छात्रों व प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

Press : Sanmarg

राष्ट्रीय इतिहास प्रिहर मनोरोजन सेल ट्रैकोलॉजी रुपरेक्षण प्रौद्योगिकी वर्षीय विदेश Web Stories

Jharkhand District News



एक्सआईएसएस में पीजीसीएम के लिए नामांकन शुरू

राती

July 19, 2023 Social News Search Leave A Comment

राती: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी और इन्हीं नह करने से बढ़ाया गया है। ऐसे होते हैं जो कार्यक्रम बनाने के लिए जीवित साकार सेवा समर्पण (एक्सआईएसएस), राती, पीजीसीएम लियो-स्पेशियल ट्रैकोलॉजी एजिनियरिंग इन कर्स डेवलपमेंट के 2023-24 वैच लिए इन्हें छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है।

3 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

अधिक भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक <https://xis.ac.in/GITRTRAINING/> पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 नीटी के टो बैच होंगे, पहला बैच मुख्य 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पात्र छात्रों के लिए उपयुक्त है, जबकि दोष्ठर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अधिकार छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक उपयुक्त है।

न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45%

इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्नातक में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होता, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह धूम्क 80,000 रुपये होता है। इस कोर्स में छात्रों को अधिकार योग्यता का साथ करना एक अत्यन्त मुश्किल कार्य होता है। इस कोर्स में आजीकीएसएस, एडास, ईंवेजीएस, आई-जीआईएस, अपी-जीआईएस आदि संविदेशीय के साथ-साथ जीआईएस, डीजीपीएस और ईटीएस हाईड्रेयर की ट्रेनिंग भी दी जाती है।

स्कूल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में

एक्सआईएसएस में महायक प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद्र दास ने इस कोर्स के विषय में कहा: "पीजीसीएम लियो-स्पेशियल ट्रैकोलॉजी एजिनियरिंग इन कर्स डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में है, जो छात्रों और प्रोफेशनल्स को बेहद अधिक उपयोग करना चाहते हैं। इस कोर्स में 6 महीने की अवधि का एक समाप्त कार्यक्रम भी चलाया गया था, जो औसतन 85-95% पैसेंजर के साथ काफी सफल रहा।"

एक वर्षीय कार्यक्रम की उपयोगिता अधिक व्यापक एवं बहुतार

दर्शनान के इस एक वर्षीय कार्यक्रम की उपयोगिता अधिक व्यापक एवं बहुतार होती है। प्लेसमेंट के शेष की बात करें तो कोर्स पूरा करने के बाद सारांशी प्रोजेक्ट, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, खनन, राजस्व, विकास, रोजगार विभाग, सर्वे और दूसरी प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ एक वर्षीय कार्यक्रम की उपयोग करना चाहता है।

छात्रों को अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग सिखाया जाएगा

"इस कोर्स के पासांगम के तहत, छात्रों को जीआईएस और रेलवे योग्यता और प्रबन्धन की अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग दोनों के बारे में सिखाया जाएगा, जिसे वे शामिल विकास, मीमांसा तुलनात्मक, भूमि सूचना प्रबन्धन प्रणाली, बाटरोल प्रबन्धन परियोजनाओं, शहरी नियोजन आदि के दोनों में लागू कर सकते हैं।" डॉ दास ने बताया।

Tagged Admission open PGCM Ranchi XISS

Search ...

Search

RECENT POSTS

- द्वारावत के 24 डीएसाई एमाई ईक में प्रवाल, गोरोजिनी लकड़ा को मिला 2017 वैच
- एनआई की बैठक पर नीतीश का तार-पहले कभी एनआई की बैठक नहीं हुई
- मुख्यमंत्री नहीं विद्यालय बनाए रखना चाहा था, लेकिन विद्यालय बनाए रखना चाहा था
- सीपीय ने दुमरी में किया योगानन्द के दुर्दान-शिलान्धर, कहा- कवर्गिली एजुकेशन के साथ चलें पर भी जोर
- पवित्रम सेवा परिवार ने दब्बों को दिया औरधिक स्वास्थ्य औरधिक बीमा द्वारा दिया गया था

CATEGORIES

- वर्षीय
- कारोबार
- कौटुम्ब
- सूची
- सेल
- गड़बा
- गिरिझी
- गुमला
- गोड्डा
- चतुरा
- जामताङा
- द्वारावत
- ट्रैकोलॉजी
- ट्रम्पा
- ट्रेपर
- घनवाद
- धर्म
- पर्लामू
- पैशीपी सिंहभूम
- पांडुकुड़
- पूर्णि सिंहभूम
- विहार
- बोकाटी
- मनोरोजन
- पूर्णिलिटी
- राती
- राजनीति
- रामगढ़
- राष्ट्रीय
- लाइफ लेड ट्राईबल
- लानेहार

Press : Social News Search

कोर्स

पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी के लिए नामांकन शुरू

तीन अगस्त तक ऑनलाइन भरा जायेगा फॉर्म

नवीन मेल संचाददाता। रांची अटिंग्डिशिकल इंटीलिजेंस और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स के इस दौर में युवाओं की भागीदारी और इसी तरह इससे जुड़े किसी भी प्रोफेशनल वोर्स में दिलचस्पी भी बढ़ रही है। ऐसे छोटों में करियर बनाने के लिए जेकियर समाज सेवा संस्थान (एन्सआईएसएस), रांची, पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन कर्तल डेवलपमेंट के 2023-24 बैचलिए इन्हें छोटों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है।

अंगिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक ऑनलाइनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे, पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगा जो पास आठद छोटों के लिए उपयुक्त है, जबकि दोहरा 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनरत छोटों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक



उपयुक्त है। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम योग्यता स्वातंत्र्य में 45% मार्क्स है। इस कोर्स के लिए छोटों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। इस कोर्स में छोटों को अध्ययन स्थलों के साथ कक्ष में एक अलग कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाता है। इस कोर्स में आर्कजीआईएस, एडास, इंजिनीयरिंग, अर्झ-जीआईएस,

ज्यू-जीआईएस आदि सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और इंटीएस हाउसिंग की ट्रेनिंग भी दी जाती है। एक्सआईएसएस में सहायक प्रोफेशनल डॉ प्रकाश चंद्र द्वारा ने इस कोर्स के लियाँ में कहा: हूपीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन कर्तल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सरकारी और निजी एजेंसियों में है, जो छोटों और प्रोफेशनल्स को

बेहद आकर्षित कर रही है। इससे चूंकि संस्थान में 6 महीने की अवधि का एक समान कार्यक्रम भी चलाया गया था जो औसत 85-95% प्लेसमेंट के साथ काफी सफल रहा था। कार्यालय के इस एक वर्षीय कार्यक्रम की उपलब्धिता अधिक व्यापक एवं बेहतर होगी। प्लेसमेंट के बेत्र की बात नहीं तो कोर्स पूरा करने के बाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, आमीण विकास, चन विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, खनन, शहरी विकास, पेयजल विभाग, सर्वे और इंडिया प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ कई निजी बेत्र और अन्य नैर-सरकारी संगठन में भी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। इस कोर्स के पाठ्यक्रम के तहत, छोटों को जीआईएस और रियोट सेंसिंग और प्रबंधन की अवधारणा और व्यावहारिक उपयोग दोनों के बारे में सिखाया जाएगा, जिसे बे ग्रामीण विकास, भौमिक पूर्वानुमान, भूमि सूचन प्रबंधन प्रणाली, बाढ़रशाड़ प्रबंधन परियोजनाओं, शहरी नियोजन आदि के छोटों में लाए कर सकते हैं। डॉ द्वारा ने बताया।

Press : Rashtriya Navin Mail

पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी इन आरडी में एडमिशन शुरू

एक्सआईएसएस ने
आमंत्रित किये आवेदन,
3 अगस्त तक करे एप्लाई

GANDIV REPORTER

गंधी। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एलोकेशन इन रूरल डेवलपमेंट के 2023-24 बैच लिए। इच्छुक छात्रों और प्रोफेशनल्स से नामांकन आमंत्रित कर रहा है।



तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) तक चलेग। जो पास आउट छात्रों के लिए

द्वारा अनुमोदित इस कोर्स के लिए 3 अगस्त 2023 तक <https://xiss.ac.in/GITRNING/> पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स में 30-30 सीटों के दो बैच होंगे। पहला बैच सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेग। जो पास आउट

उपयुक्त है। जबकि दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे का दूसरा बैच अध्यनत छात्रों और प्रोफेशनल्स के लिए अधिक उपयुक्त है। इस कोर्स में नामांकन की न्यूनतम खोगता स्नातक में 45% मार्गदर्शक है।

इस कोर्स के लिए छात्रों को 67,000 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि प्रोफेशनल्स के लिए यह शुल्क 80,000 रुपये होगा। इस कोर्स में छात्रों को अध्ययन सामग्री के साथ कक्ष में एक अलग कॉम्प्यूटर उपलब्ध कराया जाता है। इस कोर्स में आकॉडीशनल्स, पर्टास, इंएसीआई, आई-जीआईएस, ब्यू-जीआईएस आदि

सॉफ्टवेयर के साथ-साथ जीपीएस, डीजीपीएस और ईटीएस हाईवेयर की ट्रेनिंग भी दी जाती है। एक्सआईएसएस में सहायक प्रोफेसर डॉ प्रकाश चंद दाश ने इस कोर्स के विषय में कहा: "पीजीसीएम जियो-स्पेशियल टेक्नोलॉजी एलोकेशन इन रूरल डेवलपमेंट कोर्स की डिमांड कई सालों और निजी एजेंसियों में है। जो छात्रों और प्रोफेशनल्स को बहादुर आकर्षित कर रही है। इससे पूर्व संस्थान में 6 माहोंने की अवधि का एक समान कार्वाक्रम भी चलाया गया था जो औसतन 85-95% लैसेमेंट के साथ कामी सफल रहा था।"

Press : Birsa ka Gandiv